होगी। लगभग 2 हजार चार्टर्ड अकाउंटेंट्स शामिल होंगे। बेनामी सम्पत्ति और जीएसटी से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। कई टेक्निकल सेशन होंगे।

बचाए पौधों से फिर से इस सीजन में उगाया जा सकता है। ज्यादातर विंटर फ्लावर को पर्याप्त मात्रा में धूप की जरूरत होती है। कुछ छाया में भी लगाए जाते हैं जैसे सिननेरिया, सालविया, डेजी, पैंजी।

6 इंच से 1 फीट ऊंचाई वाले : डाईएन्थस, वरबीना, एस्टर, ग्लाडिया, स्वीटविलियम, पिट
1 से 2 फीट ऊंचाई वाले : डॉग फ्लॉवर, कारनेशन, पॉपी, मेरीगोल्ड, डीमोरपोथी, सिननें
2 फीट से अधिक ऊंचाई वाले : हॉलीहोक, डहेलिया, कॉर्न फ्लॉवर, लार्क्सपर, ल्यूपिन,

सिटी एंकर जवाहर सर्किल स्थित एक होटल में हुई वर्कशॉप में 'सस्टेनेबल टूरिज्म क्राइटेरिया फॉर इंडिया' पर किया फोकस

इंडिया में अब सस्टेनेबल टूरिज्म है जरूरी

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

सोशल कल्चर, इकोनॉमी और एनवायर्नमेंट को साथ लेकर टूरिज्म को बचाया जा सकता है। और इसे कंपल्सरी भी किया जाना चाहिए। बात की जाए राजस्थान की तो यहां कल्चर को बचाने के प्रयास जरूरी हैं, क्योंकि वह डैमेज हुआ है। यही कारण है कि सस्टेनेबल टूरिज्म जरूरी है। कुछ ऐसे विचारों के साथ मंगलवार को जवाहर सर्किल स्थित एक होटल में सस्टेनेबल टूरिज्म पर दो दिवसीय वर्कशॉप शुरू हुई। वर्कशॉप में 'सस्टेनेबल टूरिज्म क्राइटेरिया फॉर इंडिया' पर फोकस किया जा रहा है।

टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए हो रही वर्कशॉप में प्रदेश के टूरिज्म से जुड़े लोगों के साथ स्टूडेंट्स, होटेलियर, टूर एंड ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्री, रिसोर्ट मैनेजर्स, गाइड्स आदि पार्टिसिपेट कर रहे हैं। ईएसओआई की प्रोजेक्ट डायरेक्टर अंजुना ने बताया कि मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म की ओर से हो रहे प्रोग्राम में राजस्थान टूरिज्म भी सपोर्ट कर रहा है। उन्होंने बताया कि टूरिज्म के लिहाज से सिर्फ कुछ ही चीजें नहीं, बल्कि सोशल कल्चर, इकोनॉमी और एनवायर्नमेंट को साथ लेकर चलना जरूरी है और ये बातें हम इंडस्ट्री को बता रहे हैं।

खत्म हो रहा है राजस्थान का कल्चर

प्रोग्राम में एक्सपर्ट्स ने राजस्थान के टूरिज्म पर फोकस किया और यहां की कमियों को बताया। उनके अनुसार राजस्थान जिस कल्चर के लिए जाना जाता है, वह खराब हो रहा है। वहीं पानी भी खत्म हो रहा है तो हैरिटेज को भी नुकसान हुआ है। हम केमल सफारी की बात करते हैं, लेकिन उसे किस तरह कराया जाए, यह कम लोगों को पता है।